Regarding problems of Mentha growing farmers

श्री तनुज पुनिया **(**बाराबंकी**) :** सभापति महोदया, आपने मुझे सदन में पहली बार बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका आभारी हूं । मैं आपका ध्यान मेंथा किसानों की पीड़ा की तरफ ले जाना चाहता हूं । मेंथा ऐसी चीज है, जिसे भारत सारी दुनिया में सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट करता है । मुझे गर्व है कि महादेव की पावन धरती से आता हूं जहां 50 परसेंट से ज्यादा एक्सपोर्ट बाराबंकी से जाता है लेकिन मेंथा किसानों की समस्या का सरकार ने संज्ञान नहीं लिया है । 7-8 साल पहले तक 1500 से 2000 रुपये तक प्रति लीटर मेंथा बिकता था लेकिन आज उसका दाम 950 रुपये से ऊपर नहीं जाता है । लागत ज्यादा होती जा रही है, लेकिन कमाई कम होती जा रही है । इसका मुख्य कारण विदेश से इम्पोर्ट सिंथेटिक मेंथा है । सिंथेटिक मेंथा और नेचुरल मेंथा का एचएसएन कोड बराबर है । इस वजह से दोनों के बीच अंतर नहीं है । यदि कोई खाद्य पदार्थ टूथपेस्ट, चॉकलेट कुछ भी हो, यदि उसमें मेंथा डाल रहे हैं तो दिखाएंगे कि नेचुरल है लेकिन उसमें सिंथेटिक मेंथा डालेंगे । मेरी मांग है कि इसमें दोनों का एचएसएन कोड अलग किया जाए ताकि सिंथेटिक मेंथा पर जीएसटी लगता रहे और किसान का जो नेचुरल मेंथा है, उस पर 12 परसेंट जीएसटी और डेढ़ परसेंट मंडी टैक्स को हटा दिया जाए । इससे मेंथा किसानों की समस्या का समाधान होगा ।